सूनी कलाई तेरी देख नहीं पाऊं हर साल राखी तुम्हें बाँधने मैं आऊं

सूनी कलाई तेरी देख नहीं पाऊं
हर साल राखी तुम्हें बाँधने मैं आऊं
आज मेरी बहना तुझे लाड मैं लडाऊ
राखी वाला दिन मैं भी भूल नहीं पाऊं

भैया मेरी शान रखना मेरा ध्यान
मत होना परेशान रखो मैं तेरा ध्यान

बड़े भाग्यशाली होते हैं वो घर बहने जिस घर आती
बिन भाई के बहन बेचारी रो रो कर रह जाती
तुझसे ही जग मैं सम्मान मैं भी पाऊं
हर साल राखी तुम्हें बाँधने मैं आऊं...

भैया मेरा राज दुलारा जैसे दिया बाती
जब जब बहने घर मैं आएं, खुशियां संग हे लाती
तेरे बिना भैया मैं भी रह नहीं पाऊं
राखी वाला दिन मैं भी भूल नहीं पाऊं
हर साल राखी तुम्हें बाँधने मैं आऊं...

धन दौलत मैं कुछ नहीं मांगूं, सर पे रख दो हाथ
जब तक सांस चलेगी मेरी मैं भी निभाउंगा साथ
हे सागर से गहरा रिश्ता सबको समझाऊं
राखी वाला दिन मैं भी भूल नहीं पाऊं
हर साल राखी तुम्हें बाँधने मैं आऊं...

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33044/title/sooni-kalayi-teri-dekh-nahi-paun-har-saal-rakhi-tumhe-baandhne-main-aaun

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |